Daily Gospel Reflections in Hindi

26 August 2019

मारकूस 4 : 26 - 34

Parables of the Kingdom of God

आज के सुसमाचार में हम प्रभु ईसा से स्वर्गराज्य की तुलना राई के दाने और बीज से करते हुए दो दृष्टांत सुनते हैं। किसी भी वस्तु की तुलना हम कब कर सकतें हैं? तब जब हम ने दोनो को देखा और अनुभव किया हो। पवित्र ग्रंथ में हम कई नबियों के द्वारा स्वर्गराज्य का वर्णन सुनते हैं जिन्होंने दिव्य दर्शन अथवा स्वप्न में स्वर्ग राज्य को देखा है। नबी दानियल, यिरमियाह, और प्रकाशना ग्रंथ के लेखक, स्वर्ग राज्य का वर्णन करते हैं। इन में से किसी का वर्णन स्वयं का नहीं लेकिन प्रभु येसु स्वयं स्वर्ग के राजकुमार हैं। वे अपने स्वयं के अनुभव से स्वर्ग राज्य और उस के वैभव का वर्णन विभिन्न उपमाओं से करते हैं।

बीज के दृष्टांत से प्रभु बताना चाहते हैं कि ईश्वर का राज्य किस तरह विकसित होता हैं। बोने वाला बीज बो कर चला जाता है लेकिन उस बीज में इतनी शक्ति है कि वह स्वयं बढ़ता रहता और समय पर फल उत्पन्न करता है। वैसे ही स्वर्ग का राज्य राई के दाने की तरह छोटा दीख पड़ता है लेकिन जब वह परिपक्व हो जाता है सब संसार के समस्त निवासी उस के साये तले आश्रय पाते हैं। हम देखते हैं कि बेथलेहम के गौशाले की एकांतता में आरंभ हुए प्रभु के जीवन से आज विश्व के हर कोने में मानव अनंत जीवन का फल पा रहा है। परम पिता द्वारा रोपित वह बीज अब अनंत जीवन का अनश्वर फल प्रदान कर रहा है। हमें भी उसी राज्य के बीज को हर ओर फैलाना है, समय आने पर वे भी अनंत जीवन के फल उत्पन्न करेगें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019